साप्ताहिक
www.noidaviews.com
RNI: UPHIN/2016/70868
नोएडा
19 Dec 2022 से
25 दिसंबर 2022
वर्ष: 07, अंक: 07
पेज: 08, मूल्य: 3 रूपया

नोएडा व्यूज

● नोएडा ● ग्रेटर नोएडा ● दादरी ● जेवर

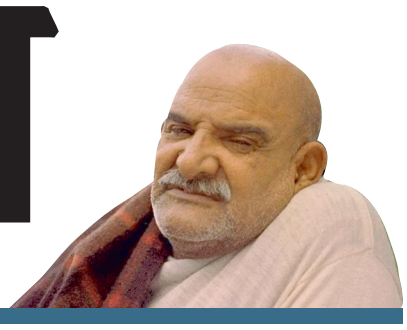

किसके इशारे पर लगे हुए हैं अवैध होर्डिंग बोर्ड?

ग्रेटर नोएडा । कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा शहर में अवैध होर्डिंग बोर्ड की भरमार है ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जगह-जगह आपको अवैध होल्डिंग बोर्ड लगे दिखाई देंगे। आखिरकार इन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती है, क्यों इन्हें हटाया नहीं जाता है किन अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है इन अवैध हार्डिंग बोर्ड लगाने वालों को, इनके खिलाफ FIR क्यों नहीं की जाती?

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अवैध होर्डिंग की भरमार

सबसे ज्यादा अवैध होर्डिंग ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लगाए जा रहे हैं। चाहे हिंडन नदी के किनारे हो, गौड़ सिटी के आसपास के एरिया में या मेन रोड पर हर जगह आपको अवैध होर्डिंग दिख जाएंगे, सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह अवैध होर्डिंग लगाए जाते हैं। जब प्राधिकरण की टीम अवैध होर्डिंग को हटाने के लिए पहुंचती है तो अवैध होर्डिंग लगाने वालों को पहले ही इन्फॉर्म कर दिया जाता है जिससे कि यह लोग बच जाते हैं। अधिकारी और अवैध होर्डिंग बोर्ड लगाने वालों का गठजोड़ कायम रहता है।

होर्डिंग बोर्ड पर दोनों साइड नहीं लगा सकते हैं विज्ञापन

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एडवरटाइजिंग पॉलिसी के अनुसार होर्डिंग बोर्ड पर दोनों साइड विज्ञापन नहीं लगाया जा सकता है जितना एरिया प्राधिकरण ने एडवर्टाइजमेंट लगाने के लिए दिया है सिर्फ उसी एरिया पर एडवर्टाइजमेंट लगाया जा सकता है। लेकिन ग्रेटर नोएडा में इस नियम का उल्लंघन भी खुलेआम आपको दिख जाएगा कुछ जगहों पर होर्डिंग बोर्ड पर दोनों साइड

विज्ञापन लगाए गए हैं और इन पर कुछ भी कार्यवाही नहीं की जा रही है क्यों प्राधिकरण इन पर कार्यवाही करने की जहमत नहीं उठा रहा है? ग्रेटर नोएडा में एडवरटाइजिंग में सिर्फ कुछ ही प्राइवेट कंपनियों का कब्जा है और उन्हीं के इशारों पर प्राधिकरण के अधिकारी भी कार्य कर रहे हैं प्राधिकरण के अधिकारी इन कंपनियों पर कोई ठोस कार्रवाई करते नजर नहीं आते हैं।

क्या प्राधिकरण ने कभी सोचा कि उसके अधिसूचित एरिया में अवैध कालोनिया क्यों कट रही है?

ग्रेटर नोएडा । कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा शहर मे सबसे ज्यादा बात किसी चीज की हो रही है तो वह है अवैध निर्माण, लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह कभी सोचा ही नहीं की अवैध निर्माण या अवैध कालोनियां क्यों काटी जा रही है ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को अपनी कार्यशैली पर सोचने की जरूरत है क्या ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इन लोगों की जमीन अधिग्रहण कर ली है?

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सिर्फ अपनी भविष्य की जरूरत देख रहा है लेकिन किसान आज परेशान है उसे आज पैसे की जरूरत है।

प्राधिकरण भविष्य देख रहा है, किसान को आज जरूरत है

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्थापना के समय सैकड़ों गांव को अधिसूचित किया गया था कि इन गांव का अधिग्रहण ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण करेगा और उनके विकास की जिम्मेदारी भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की होगी। लेकिन प्राधिकरण के अधिकारियों की उदासीनता के कारण बहुत गांवों में अधिग्रहण नहीं हो पाया या कुछ गांव में अधिग्रहण रद्द हो गया था ऐसे ही गांव में अवैध निर्माण या अवैध कालोनियां कट रही है लेकिन अवैध कॉलोनी कटनी तब शुरू हुई जब किसानों को मुआवजे की राह देखते हुए दशक बीत गए, किसान को बच्चों की शिक्षा के लिए, मकान बनाने के लिए और बच्चों की शादी के लिए पैसे की जरूरत है तो पैसे का इंतजाम कैसे करें।

प्राधिकरण से मुआवजा मिल नहीं रहा तो उसके पास सिर्फ एक ही ऑप्शन बचता है किसी कॉलोनाइजर को जमीन बेचना, और वह कॉलोनाइजर प्राधिकरण से ज्यादा कीमत देता है उस किसान को उसकी जमीन की, प्राधिकरण के अधिग्रहण न करने के कारण ही लोग कॉलोनाइजर ओ को जमीन दे रहे।

अधिकारियों की अवैध निर्माण को रोकने की अपनी मजबूरी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में बड़े स्तर पर हो रहे अवैध निर्माण को रोकना सिर्फ कुछ अधिकारियों के बस की बात नहीं है। जब तक प्राधिकरण का पूरा तंत्र एक साथ काम नहीं करेगा और मूल समस्या का समाधान नहीं किया जाएगा अवैध निर्माण को रोकना मुश्किल दिखाई देता है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी बार-बार कॉलोनाइजर और किसान को नोटिस जारी करते हैं थाने में एफ आई आर के लिए भी आवेदन देते हैं लेकिन इन सब का कुछ असर होते दिखाई नहीं दे रहा, सिर्फ कुछ चुनिंदा अधिकारियों को टारगेट करना और उन पर आरोप लगाना सही नहीं है यह पूरे प्राधिकरण की ही जिम्मेदारी है।

सीईओ से लेकर सुपरवाइजर तक को मिलकर और अच्छी मानसिकता के साथ काम करना होगा तभी अवैध निर्माण पर वार किया जा सकता है।

अवैध निर्माण को तोड़ने की राह आसान नहीं, लेकिन नए को रोका जा सकता है

बहुत से गांव में बहुत ज्यादा कॉलोनियों और विला बन चुके हैं जिनमें हजारों गरीब और मध्यमवर्गीय लोग रह रहे हैं और अपने भविष्य के सपने सजाए हुए हैं उन पर भी कार्रवाई करना आसान नजर नहीं आता है इन पर भी प्राधिकरण को सोचना चाहिए कि कैसे हल निकाला जा सकता है जिससे विकास भी हो जाए गरीब भी बच जाए और प्राधिकरण की सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए कि जो

ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर दो बसों में टक्कर, 3 यात्रियों की मौत, 13 घायल

नोएडा, संवाददाता। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह को दो बस के बीच ओवरटेक करने के दौरान हादसा हो गया। घटना में उपचार के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी व सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 5 बजे परी चौक से नोएडा जाने वाली सड़क पर सेक्टर 157 नोएडा के सामने दो बसों में टक्कर हो गई। इनमें से एक बस MP 04 PA 3243 मध्यप्रदेश के शिवपुरी से दिल्ली जा रही थी और दूसरी बस UP17 AT 6460 प्रतापगढ़ से आनंद विहार जा रही थी।

इस घटना में अस्पताल में इलाज के दौरान 3 लोगो की मृत्यु हो गयी है, घायलों में 3 को यथार्थ अस्पताल ग्रेटर नोएडा और 10 को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, यातायात सुचारु रूप से चल रहा है।

नॉलेज पार्क के तहत ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर 2 बसों की टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई। मौके पर पुलिस कर्मी मौजूद हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसे का शिकार हुई दोनों बसों को सड़क के किनारे कराकर यातायात को सुचारु कराया। पुलिस के मुताबिक यातायात सुचारु तरीके से संचालित किया जा रहा है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक विधिक कार्रवाई की जा रही है। हादसे की वजह को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

संपादकीय

कोरोना से चीन का हाल बेहाल

कपिल कुमार
संपादक, नोएडा व्यूज

चीन की सरकार हालांकि अपने देश में कोरोना के मार की सही तस्वीर बाहर नहीं आने दे रही है लेकिन फिर भी सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहे हैं उनमें दिख रहा है कि राजधानी बीजिंग में कई अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है। चीन में विरोध प्रदर्शन बढ़ने से परेशान वहां की सरकार ने जीरो कोविड नीति में छूट तो दे दी लेकिन उसके बाद कोरोना के मामले जिस तेजी से बढ़े हैं उससे देश के हालात को संभालना राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बलबूते से बाहर होता जा रहा है। शी जिनपिंग ने जो वायरस दुनिया को निबटाने के लिए बनवाया था वही वायरस अब उनको ही निबटाने में लगा हुआ है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चीनी अर्थव्यवस्था को झटके पर झटके लग रहे हैं क्योंकि कारोबार बंद है, ऑफिसों में ताले लग गये हैं, देश में निवेश आना भी बंद हो गया है, वायरस आ जाने के डर से दुनिया के अन्य देश चीनी माल खरीदने से कतराने लगे हैं जिससे हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर तरह तरह के सामान से भरे कंटेनरों का अंबार लगा हुआ है और उसके अंदर रखा माल सड़ रहा है। इस बीच, इस प्रकार की भी खबर है कि विशेषज्ञों ने चीन में कोरोना वायरस की नई लहर के चलते 10 लाख लोगों की मौत का अनुमान जताया है।

> **बताया जा रहा है कि जिनको ज्यादा बुखार है उनको अस्पतालों के बाहर ही बैठने को कहा जा रहा है। इस प्रकार की रिपोर्टें हैं कि चीन में अधिकांश इलाकों में कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और प्रशासन से जुड़े लोगों ने भी सुविधाएं और सेवाएं मुहैया कराने के मामले में हार मान ली है जिससे लोग हैरान-परेशान हैं। चीन में वायरस इतनी तेजी से फैल रहा है कि हर कोई इसकी चपेट में आ रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो यह भी दावा किया गया है कि चीन में हर कोई इस समय कोरोना से ग्रस्त है और सरकारी इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं।**

चीन की सरकार हालांकि अपने देश में कोरोना के मार की सही तस्वीर बाहर नहीं आने दे रही है लेकिन फिर भी सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहे हैं उनमें दिख रहा है कि राजधानी बीजिंग में कई अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है और मरीजों की लाइन फुटपाथ तक पहुँची हुई है। बीजिंग में कड़ाके की ठंड है लेकिन लोग बाहर खड़े अपनी बारी आने का इंतजार करने को मजबूर हैं। कुछ ऐसे भी वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें अस्पतालों के बाहर लोग अपनी कारों में बैठे अपनी बारी का इंतजार करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिनको ज्यादा बुखार है उनको अस्पतालों के बाहर ही बैठने को कहा जा रहा है। इस प्रकार की रिपोर्टें हैं कि चीन में अधिकांश इलाकों में कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और प्रशासन से जुड़े लोगों ने भी सुविधाएं और सेवाएं मुहैया कराने के मामले में हार मान ली है जिससे लोग हैरान-परेशान हैं। चीन में वायरस इतनी तेजी से फैल रहा है कि हर कोई इसकी चपेट में आ रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो यह भी दावा किया गया है कि चीन में हर कोई इस समय कोरोना से ग्रस्त है और सरकारी इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। चीन की सरकार ने कोरोना पाबंदियों में ढील देकर लोगों का गुस्सा शांत करना चाहा है लेकिन बताया जा रहा है कि यह ढील इसलिए दी गयी क्योंकि अब सरकार को यह डर नहीं रहा कि कोरोना फैल जायेगा। पाबंदियों में ढील के बावजूद चीन के कई शहरों में लॉकडाउन जैसा माहौल है।

जम्मू कश्मीर में हिंसा और आतंक का क्या है स्थाई हल

संजीव ठाकुर

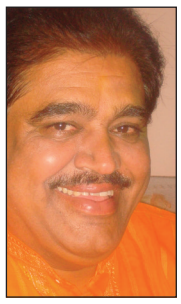

पाक समर्थित आतंकवादी यह नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर में फिर शांति सद्भावना स्थापित हो और कश्मीरी ब्राह्मण वापस आकर रहने लगे। यह आतंकवादी इस मंतव्य से जाति विशेष के लोगों की हत्या कर रहे हैं कि वहां पर जातिगत वैमनस्यता भड़का कर घाटी में ज्यादा से ज्यादा अशांति का संचार हो और वह अपने मकसद पर कामयाब हो जाए। इधर एलएसी में नापाक चीन द्वारा तवांग घाटी में घुसपैठ करने की कोशिश की गई जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब देकर उन्हें वापस खदेड़ा गया। एलओसी और एलएसी पर माहौल काफी चिंतनीय है और सीमा पर स्थाई समाधान खोजने की परम आवश्यकता है।

जम्मू कश्मीर में 370 धारा हटाने के बाद पाकिस्तान लगातार तिलमिलाया हुआ है, और वहां शांति,अमन फैलने से काफी बेचैन भी है। कश्मीर में चरमपंथी, कश्मीरी पंडितों की वापसी के बीच अल्पसंख्यकों का भरोसा तोड़ना चाहते हैं। कश्मीर में विगत 30 वर्षों से आतंकवादी हिंसा से 35 से 40 हजार लोगों की हत्या हो चुकी है। चरमपंथी जम्मू कश्मीर की शांति स्थापना के प्रयास को तोड़ना चाह कर, वहां अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। अत्यंत उल्लेखनीय है कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार का वहां पर विकास की योजनाएं लागू करने पर पूरा जोर लगा रही है।

चुनाव कराने की घोषणा के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तीव्रता के साथ बढ़ रही हैं। भारत-पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम के बाद सीमाओं पर आए दिन होने वाली गोलीबारी तो शांत है। इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी आतंकी हरकतों से बाज आ गया है। वह सीमा के पास लांच पैड से लगातार आतंकी हमलावारों को भारत की सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश कर रहा है। एक प्रकरण में विगत दिनों सीमा पार करते हुए 4 में से 3 आतंकियों को मार गिराया गया एवं एक आतंकी को पकड़कर हिरासत में भी लिया गया। पकड़े गए आतंकवादी के बयान के अनुसार पाकिस्तान तथा उसकी खुफिया एजेंसी आई, एस, आई की पूरी पोल खुल गई है। और पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा बेनकाब हो गया है। पाकिस्तानी आतंकवादियों का फिर से 1990 वाली स्थिति में कश्मीर को लाने का प्रयास किया जा रहा है। उस समय कश्मीरी पंडित हिंसा और दहशत से घबराकर कश्मीर छोड़ कर चले गए थे। उन्होंने अपनी संपत्ति को छोड़कर तस्वीर से पलायन किया था। अब 370 धारा हटाने के बाद केंद्र सरकार का यह प्रयास लगातार जारी है कि कश्मीरी पंडित वापस जम्मू कश्मीर में अपनी बेची हुई या छोड़ी हुई जगह पर आकर फिर से काबिज हों एवं कश्मीर में फिर से शांति बहाल का बेहतरीन माहौल तैयार हो।

इन परिस्थितियों में पाकिस्तान बिल्कुल नहीं चाहेगा की जम्मू कश्मीर उनके हाथ से निकल कर पूरी तरह भारतीय सरकार की गिरफ्त में हो। पाकिस्तान का यह प्रयास है कि केंद्र शासन चीन के साथ लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश की सीमा में व्यस्त होने के कारण, वह अपने आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर की सीमा में प्रवेश कराकर घाटी में आतंक का साया स्थापित कर सकता है,तो यह पाकिस्तान और आई,एस,आई को समझ लेना चाहिए कि भारत अपनी सीमा की रक्षा करने में सक्षम तो है ही साथ ही अंतरराष्ट्रीय मित्र देशों का भी उसके साथ समर्थन है।

उधर पाकिस्तान की स्थिति यह है कि कुछ मुस्लिम देशों को छोड़कर पूरी मुस्लिम देशों की बिरादरी पर वह अलग-थलग पड़ गया है। उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और अपने मालिक चीन की आर्थिक सहायता के दम पर वह देश का खर्चा चला रहा है। अमेरिका को पिछले दो दशकों से अफगानिस्तान में अमेरिका को लगातार धोखे में रख तालिबानी आतंकवादियों की तन मन धन से सहायता कर वैश्विक अशांति को फैलाने का प्रयास कर रहा है। कश्मीर घाटी में विगत 10 दिनों में जिस तरह से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है यह स्पष्ट संकेत करते हैं कि पाकिस्तान सरकार और उसकी खुफिया एजेंसी आई,एस,आई तालिबान में आतंकवादियों की दिशा भारत के जम्मू कश्मीर की तरफ मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवादी अल्प संकट हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके धार्मिक स्थलों क्षतिग्रस्त कर आस्था पर चोट करने का प्रयास कर रहे हैं।

महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में बाधाएं

प्रियंका सौरभ

जबकि शिक्षा और पोषण में लैंगिक अंतर समय के साथ कम हो रहा है, श्रम बाजार में महिलाओं की वंचित स्थिति बहुत स्पष्ट है। भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी केवल 25% है जबकि वैश्विक औसत 60% है, विश्व शक्ति बनने के लिए, हम महिलाओं को सेवा से बाहर होने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। आर्थिक कारकों के ऊपर और ऊपर गैर-आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारक हैं। जब पारिवारिक आय में वृद्धि होती है तो सांस्कृतिक कारकों के कारण महिलाएं परिवार की देखभाल के लिए काम छोड़ देती हैं। पितृसत्ता की गहरी जड़ें इस प्रकार जकड़े है कि घर के बाहर काम करने वाली महिलाओं के बारे में सांस्कृतिक बोझ इतना मजबूत है कि अधिकांश पारंपरिक भारतीय परिवारों में, शादी के लिए ही काम छोड़ना एक आवश्यक पूर्व शर्त है।

चाइल्डकैअर की जिम्मेदारी पूरी तरह से महिलाओं प निर्भर है जिसका एक बड़ा कारक मातृत्व है। कार्यबल में शामिल होने वाली कई महिलाएं बच्चा होने के बाद फिर से शामिल नहीं हो पाती हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि चाइल्डकैअर को मुख्य रूप से महिलाओं की नौकरी के रूप में देखा जाता है। महिलाओं के खिलाफ कार्यस्थल पर पक्षपात आज भी होता है, ऐतिहासिक कानून, जो एक महिला को 26 सप्ताह के सवेतन मातृत्व अवकाश का अधिकार देता है, एक बड़ी बाधा बन रहा है। एक अध्ययन के अनुसार कंपनियों के लिए यह बढ़ी हुई लागत है और यह उन्हें महिलाओं को काम पर रखने से हतोत्साहित कर सकती है।

माताओं को इसलिए भी तरजीह नहीं दी जाती क्योंकि परिवार के कारण वे कम आधिकारिक जिम्मेदारियां उठाती नजर आती हैं। मेट्रोपॉलिटन, टियर 1 और टियर 2 शहरों में सुरक्षा प्रमुख मुद्दा है। कार्य स्थल पर सुरक्षा और उत्पीड़न के बारे में स्पष्ट और निहित दोनों तरह की चिंताएँ है।

महिलाओं के उच्च शिक्षा स्तर भी उन्हें अवकाश और अन्य गैर-कार्य गतिविधियों को करने की अनुमति देते हैं, जो सभी महिला श्रम बल की भागीदारी को कम करते हैं। जब आय बढ़ती है, तो पुरुष भारतीय महिलाओं को श्रम बल से हटने की अनुमति देते हैं, जिससे काम करने के कलंक (सांस्कृतिक कारक) से बचा जा सकता है। ऐसी नौकरियों की अपर्याप्त उपलब्धता जो महिलाएं कहती हैं कि वे करना चाहेंगी, जैसे कि नियमित अंशकालिक नौकरियां जो स्थिर आय प्रदान करती हैं और महिलाओं को काम के साथ घरेलू कर्तव्यों को पूरा करने की अनुमति देती हैं। अवैतनिक कार्य/घरेलू कार्य के बारे में सामाजिक मानदंड महिलाओं की गतिशीलता और वैतनिक कार्यों में भागीदारी के खिलाफ हैं। प्रसव और बुजुर्ग माता-पिता या ससुराल वालों की देखभाल बाद के बिंदुओं के लिए होती है, जहां महिलाएं रोजगार पाइपलाइन से बाहर हो जाती हैं।

महिलाओं के लिए शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाने और एलएफपीआर की बेहतरी में मदद करती है महिला शिक्षा लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। लंबे समय से महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया है। नारी शिक्षा को गति देकर भारत सामाजिक विकास और आर्थिक प्रगति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। बालिकाओं के लिए अनिवार्य शिक्षा और उन्हें उच्च शिक्षा में बनाए रखना।

चेतना प्रकाश 'चितेरी', प्रयागराज

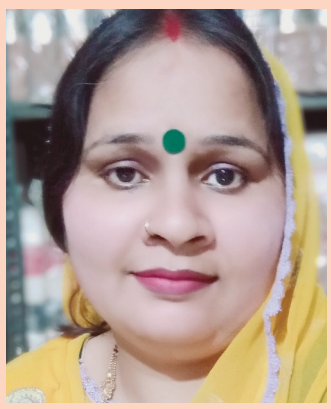

शिक्षा से ही गरीबी दूर होगी

बाबूजी ! कहाँ चलना है ?
आ जाइए ! मेरे रिक्शे में बैठिए !
आप घबराइए नहीं मैं आराम से चलूँगा ,
मुझे कहीं गड्ढा या ब्रेकर मिलेगा
मैं रिक्शा की गति धीरे कर लूँगा।
अम्मा आओ !
पहले बैग हमको थमा कर
आराम से रिक्शे पर बैठ जाओ,
फिर सुरक्षित अपना समान पकड़ो,
अम्मा !
हम भी दो पैसे कमा लें।

इतने में, बाबूजी ने कहा -
बेटा ! तुम पढ़े - लिखे लग रहे हो।
रिक्शावाले ने कहा -
बाबूजी !
मेरा भी है परिवार,
पढ़ लिख कर मेहनत करता हूँ,
देश दुनिया की ख़बर
मैं भी रखता हूँ,
जब मिलती नहीं सवारी,
इधर - उधर दौड़ कर, थक हार
एक घूंट पानी पीकर पसीना सुखाता हूँ,
फिर थोड़ी देर सोचता हूँ, क्या करूं ?
रिक्शे के बॉक्स में से पेपर निकाल
इसी रिक्शे पर
बैठ समाचार पत्र पढ़ता हूँ।
बाबूजी !
मैं भी आगे पढ़ना चाहता था,
माता - पिता की मज़बूरी देख,
बीच राह में पढ़ाई छोड़नी पड़ी

अम्मा ! बीच में ही पूछ पड़ी कितने बच्चे हैं ?
रिक्शावाले ने अम्मा से कहा -
एकमात्र मेरी बिटिया है
इसी रिक्शे की कमाई से ,
मैं अपनी गुड़िया को बी. एड. करवा रहा हूँ,
पास में ही, चेतना !
संवाद सुन प्रकाश से कही -
शिक्षा से ही गरीबी दूर होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **संपादकः कपिल कुमार,** मो. 9810402764,ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

अवैध निर्माण पर चला ग्रेनो का बुल्डोजर

तीन खसरा नंबरों की 11,700 वर्ग मीटर जमीन खाली कराई

50 किसानों के छह फीसदी आवासीय भूखंड हैं नियोजित

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बुल्डोजर शुक्रवार को हैबतपुर में अतिक्रमण पर चलाया गया। प्राधिकरण ने तीन खसरा नंबरों पर बने अतिक्रमण को ढहा दिया। करीब 11,700 वर्ग मीटर जमीन खाली कराई गई। इस जमीन पर 50 किसानों के छह फीसदी आबादी भूखंड नियोजित हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने सभी पात्र किसानों को छह फीसदी आबादी भूखंड शीघ्र दिए जाने के निर्देश दिए हैं। किसानों के लिए चिंहित जमीन खाली कराकर उनका प्लॉट लगाया जा रहा है। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा शर्मा ने बताया कि हैबतपुर में खसरा नंबर 137, 143 व 144 में करीब 11,700 वर्ग मीटर जमीन पर 50 किसानों को आबादी भूखंड दिए जाने हैं।

इन खसरा नंबरों की जमीन पर कालोनाइजर अवैध कालोनी काट रहे थे। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वर्क सर्किल एक के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह और एसीपी योगेंद्र सिंह टू सेंट्रल नोएडा जोन के नेतृत्व में शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया गया।

बड़ी संख्या में प्राधिकरण और नोएडा पुलिस बल की मौजूदगी में सात जेसीबी की मदद से करीब तीन घंटे तक कार्रवाई कर जमीन खाली करा ली गई। इसकी कीमत करीब 23 करोड़ रुपये आंकी गई है। अतिक्रमण हटाने के अभियान में प्राधिकरण के इंस्पेक्टर फतेह सिंह, वर्क सर्किल एक के प्रबंधक प्रभात शंकर व सहायक प्रबंधक राजीव कुमार भी शामिल रहे।

हर एसीपी कार्यालय में बनेगी अदालत

ग्रेटर नोएडा कपिल कुमार

गौतम बुद्ध नगर जिले में कमिश्नरेट प्रणाली शुरू हुए लगभग 3 वर्ष हो चुके हैं लेकिन सोमवार से नई व्यवस्था लागू होने जा रही है जिसमें अब हर एसीपी कार्यालय में कोर्ट बनेगी और दूसरे सर्किल के एसीपी धारा 151 व 107/16 की सुनवाई करेंगे अभी तक की जॉन स्थल पर यह व्यवस्था थी और एसीपी वह सुनवाई करते थे। गौतम बुध नगर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के आदेश के बाद सोमवार से नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है कमिश्नरेट बनने के बाद जोन स्तर पर कोर्ट बनाए गए थे नोएडा, सेंट्रल नोएडा व ग्रेटर नोएडा जॉन में ऐसी पीस की सुनवाई करते थे नई व्यवस्था शुरू होने से पहले सभी डीसीपी एडीसीपी एसीपी के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञ न्यायिक क्रियाकलापों को की जानकारी देंगे।

स्वागत: ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर के दौरे से उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर खुले निवेश के द्वार

करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन और एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

कंपनियों ने डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक, आईटी व शिक्षा क्षेत्र में निवेश की जताई इच्छा

यूपी ग्लोबल इनवेस्टर समिट में हिस्सा लेने को तैयार ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर की कंपनियां

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी और यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी का ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर का दौरा बेहद सफल रहा। दोनों देशों के दौरे से प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश के द्वार खुले हैं। डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक हब, आईटी व शिक्षा आदि क्षेत्रों में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए कंपनियों ने करार किए हैं। कई कंपनियों ने प्रदेश में निवेश के लिए इच्छा जाहिर की है।

आगामी फरवरी माह में उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए ग्लोबल इनवेस्टर समिट का आयोजन होने जा रहा है। प्रदेश में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए मंत्रियों व अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल कई देशों के दौरे पर है। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी और यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर के दौरे पर हैं। प्रतिनिधिमंडल का इन दोनों देशों का दौरा बेहद सफल रहा है। दोनों देशों से प्रदेश में निवेश के लिए कई बड़े करार हुए हैं। कई कंपनियों ने करार के लिए इच्छा जाहिर की है। मसलन, सिंगापुर के एसएलजी कैपिटल ग्रुप ने प्रदेश में करीब 8300 करोड़ रुपये निवेश के लिए करार किए हैं।

ग्रुप ने डाटा सेंटर व आईटी क्षेत्र में निवेश की इच्छा जाहिर की है। इसी तरह सिंगापुर के ग्लोबल स्कूल फाउंडेशन ने भी प्रदेश में करीब 100 करोड़ रुपये के निवेश के लिए करार किए हैं। सिंगापुर की कंपनियों के साथ लॉजिस्टिक, डाटा सेंटर व आईटी-आईटीईएस क्षेत्र में निवेश के 4100 करोड़ रुपये के करार हुए हैं। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अपर मुख्य सचिव शिक्षा दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा सुभाष कुमार, नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी व यूपीसीडी के सीईओ मयूर माहेश्वरी की मौजूदगी में करार पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा लॉजिस्टिक्स, डाटा सेंटर और कौशल विकास पर फोकस कई और निवेश भी आएंगे। कई कंपनियों ने इन क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए निवेश की इच्छा जाहिर की है। वहीं, उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित करने के लिए सिंगापुर के व्यापार और उद्योग मंत्री के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल दल ने बैठक की और कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग मांगा। प्रतिनिधिमंडल ने एंटरप्राइज सिंगापुर के सहयोग से आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक बड़ी कंपनियां शामिल रहीं हैं। सीईओ रितु माहेश्वरी ने बताया कि यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए ऑस्ट्रेलिया व सिंगापुर में बड़ी सफलता हासिल हुई है। यहां की कंपनियां प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश की इच्छा जता रही हैं। यह निवेश इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी इनबिल्ड सर्विसेज से जुड़े केंद्रों की स्थापना में होगा।

एश्वर्या राय की फोटो लगे पासपोर्ट के साथ 3 विदेशी गिरफ्तार

नोएडा, संवाददाता

कैंसर की दवा बनाने के नाम पर सेवानिवृत्त कर्नल से एक करोड़ 81 लाख रुपये की आनलाइन ठगी करने वाले तीन विदेशी नागरिकों को बीटा दो कोतवाली पुलिस व ग्रेटर नोएडा साइबर सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने लगभग 11 करोड़ रुपये की नकली विदेशी मुद्रा, सेफ, प्रिंटर सहित अन्य सामान बरामद किया है।

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय की लगी थी फोटो

इसके साथ ही फिल्म अभिनेत्री ऐश्वर्या राय का फोटो लगा फर्जी पासपोर्ट और अन्य सामान भी बरामद किया गया है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी अंजनी कुमार व उनकी टीम के आठ सदस्यों ने बदमाशों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा अभिषेक वर्मा ने आरोपितों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार रुपये इनाम की घोषणा की है। अभिषेक वर्मा ने बताया कि सेवानिवृत कर्नल डा. वीके गुप्ता से आरोपितों ने मेल के माध्यम से संपर्क किया था। आरोपितों ने एवा इवलिन महिला के नाम से फर्जी ई मेल बनाकर से एक नामी दवा कंपनी का अधिकारी दिखाया।

कर्नल को बताया गया था कि वह लोग अरुणांचल प्रदेश की महिला थाबा देवी से कैंसर की दवा बनाने के लिए कोलानट खरीदते हैं। 200 ग्राम का पैकेट एक हजार डालर में खरीदते हैं। बाद में तीन हजार डालर में बेंच देते हैं। आरोपितों ने कर्नल को थाबा देवी का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया।

विभिन्न प्रकार से करते थे जालसाजी

आरोपितों ने विभिन्न प्रकार से कर्नल को अपने जाल में फंसा लिया। धीरे-धीरे कर कर्नल से दवा खरीदने के नाम पर एक करोड़ 81 लाख रुपये ठग लिए। आरोपितों के जाल में आकर कर्नल ने कुछ पैसे लोगों से उधार भी लिए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने नाइजीरिया के रहने वाले ईके उफेरेमवुकवे, घाना के रहने वाले एडविन कोलाइंस व नाइजीरिया के रहने वाले ओकोलोई डैमियन को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों के पास से कागज की रद्दी भी बरामद हुई है। सभी रद्दी डालर के आकार में कटी हुई है। आरोपित प्रिंटर से नकली डालर तैयार करते थे। नोट की गड्डी में ऊपर की तरफ असली व अंदर नकली डालर लगा विभिन्न स्थानों पर पेमेंट करते थे।

फेल हुआ इंटेलिजेंस यूनिट

ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर की लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआइयू) एक बार फिर फेल साबित हुई है। वीजा व पासपोर्ट की अवधि लगभग तीन साल पूर्व समाप्त होने के बाद भी चोरी छिपे रह रहे विदेशी नागरिकों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। व्यापार का वीजा लेकर आए विदेशी नागरिक लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। विदेशियों ने पूर्व कर्नल से एक करोड़ 81 लाख रुपये ठग लिए थे। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपितों के पास से बरामद लैपटाप व फ्रीज किए गए 25 बैंक अकाउंट कई लोगों से हुई अरबों रुपये की ठगी का राज खोलेंगे। जिले में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक रहते हैं।

वीजा व पासपोर्ट की अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी बहुत से विदेशी चोरी-छिपे यहीं पर ठिकाना बनाए रहते हैं। कुछ माह पूर्व ही पुलिस कार्रवाई के बाद जांच में कई चीनी नागरिक भी बिना वीजा पकड़े गए थे। इसके बाद एलआइयू सतर्क हुई थी। विशेष अभियान चलाकर बिना वीजा रह रहे लगभग 50 विदेशियों को पकड़ा गया था। 2019 में भी 100 विदेशी नागरिक बिना वीजा के पकड़े गए थे। जांच में पुलिस को पता चला है कि सेवानिवृत्त कर्नल से ठगी करने वाले नाइजीरिया व घाना के रहने वाले ईके उफेरेमवुकवे, एडविन कोलाइंस व ओकोलोई डैमियन को गिरफ्तार किया है।

पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल का बैंक खाता सीज, वसूले गए 52 लाख रुपये

आरसी की वसूली के लिए बिल्डर के अन्य बैंक खातों को भी जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। कंपनी में अन्य डायरेक्टर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

कंपनी से जुड़े अन्य लोगों के बैंक खातों को सीज कर आरसी की वसूली की जाएगी।

सेक्टर-10 में वनलीफ ट्रॉय नाम से उनकी कंपनी का एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया था

नोएडा, संवाददाता।

रेरा के द्वारा जारी आरसी के सापेक्ष जिला प्रशासन ने पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल का बैंक खाता सीज कर 52 लाख रुपये वसूले हैं। दरअसल, मुनाफ पटेल निवास प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-10 में वनलीफ ट्रॉय नाम से उनकी कंपनी का एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया था। तय समय पर प्रोजेक्ट पूरा न करने पर उनपर वसूली की कार्रवाई की गई।

वसूली के लिए की जाती है आरसी जारी

रेरा के द्वारा बिल्डरों से वसूली के लिए जिला प्रशासन को आरसी जारी की जाती है। निवास प्रमोटर्स बिल्डर ने 2017 में रेरा में प्रोजेक्ट बुक कराया था। बिल्डर के द्वारा निर्धारित समय पर प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया गया। मामले की सुनवाई के बाद बिल्डर के खिलाफ रेरा ने आरसी जारी की थी।

बिल्डर पर लगभग दस करोड़ रुपये की चालीस आरसी जारी हो चुकी है। कई बार नोटिस देने के बाद भी बिल्डर के द्वारा आरसी का पैसा जमा नहीं किया जा रहा था। जिला प्रशासन की टीम ने बिल्डर के डायरेक्टरों से भी वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कंपनी से जुड़े अन्य लोगों पर भी होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल भी कंपनी में डायरेक्टर हैं। जांच के दौरान उनके दो बैंक खातों के बारे में पता चला था। दोनों बैंक खाते को सीज कर उसमें से लगभग 52 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। आरसी की वसूली के लिए बिल्डर के अन्य बैंक खातों को भी जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

कंपनी में अन्य डायरेक्टर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही कंपनी से जुड़े अन्य लोगों के बैंक खातों को सीज कर आरसी की वसूली की जाएगी।

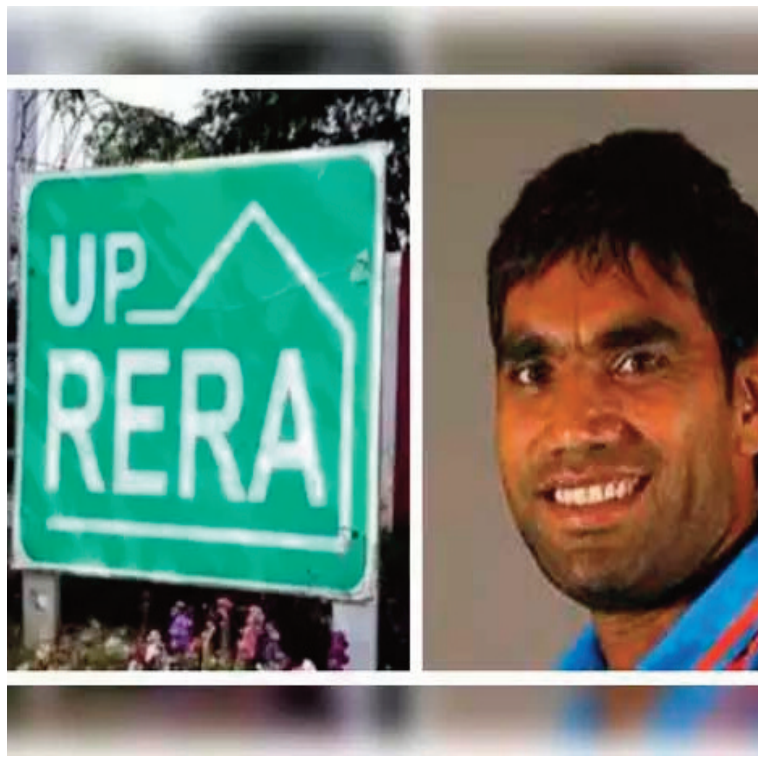

नोएडा में डोगो अर्जेंटीनों Dog के लिए युवक का अपहरण

पीड़ित का अपहरण करने के बाद उसको ग्रेटर नोएडा से लेकर अलीगढ़ तक की सड़कों पर घुमाया। पूरे रास्ते पीड़ित के साथ मारपीट भी की गई।

फिरौती में मालिक से मांगा कुत्ता; अलीगढ़ में छोड़कर हुए फरार

नोएडा, संवाददाता।

बीटा दो कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर अल्फा दो में मकान मालिक का अर्जेंटीनो नस्ल का कुत्ता नहीं देने पर किरायेदार युवक का अपहरण कर लिया गया। कुत्ता की मार्केट कीमत दो लाख के करीब है। स्कार्पियो सवार युवकों ने पीड़ित का अपहरण करने के बाद उसको ग्रेटर नोएडा से लेकर अलीगढ़ तक की सड़कों पर घुमाया। पूरे रास्ते पीड़ित के साथ मारपीट भी की गई।

आरोपितों ने मकान मालिक को फोन कर कहा कि किराएदार को ले जाना है तो कुत्ते को बतौर फिरौती लेकर आओ। पीड़ित युवक किसी तरह से आरोपितों के कब्जे से मुक्त होकर वापस ग्रेटर नोएडा पहुंचा। पुलिस ने मामले में अपहरण की धारा में रिपोर्ट दर्ज आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

शराब के नशे में धुत थे आरोपित

दर्ज कराई गई रिपोर्ट में यूनीटेक होराइजन सोसायटी में रहने वाले शुभम प्रताप सिंह ने कहा है कि उनका अल्फा दो सेक्टर में मकान है। उनके मकान में पुनीत, राहुल और प्रशांत किराये पर रहते है। बुधवार को उनके मकान पर स्कार्पियो में सवार होकर तीन युवक विशाल, ललित व मोंटी आए। तीनों मूल रूप से अलीगढ़ के तीकरी के रहने वाले है। तीनों शराब के नशे में धुते थे।

तीनों आरोपित मकान पर मौजूद उनके कुत्ता अर्जेंटीनो नस्ल को ले जाने लगे। मकान में किराए पर रहने वाले राहुल ने कुत्ता को ले जाने का विरोध किया। आरोपितों ने जबरन राहुल का अपहरण कर लिया। आरोपितों में शामिल विशाल मकान में किराए पर रहने वाले पुनीत का भाई है।

शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज

अपहरण के बाद पुनीत भी मकान छोड़कर भाग गया। कुछ देर बाद मकान मालिक शिव प्रताप के मोबाइल पर आरोपितों का फोन आया। आरोपितों ने कहा कि कुत्ते को ले आओ और किराएदार युवक राहुल को ले जाओ। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जांच की जा रही है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नए नियमों का नहीं हो रहा पालन, 18 घंटे में 3000 वाहनों ने तोड़ी गति सीमा

नोएडा, संवाददाता। यमुना एक्सप्रेस वे पर कोहरे के कारण होने वाली वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक अधिकतम गति सीमा कम कर दी गई है। पहले ही दिन तीन हजार वाहन चालकों ने अधिकतम गति सीमा का उल्लंघन किया है। उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की गई है। वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे पर गति सीमा के स्टीकर लगाए गए हैं, इसके साथ ही एलईडी बोर्ड के जरिये भी जागरूक किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेस वे पर हल्के वाहनों के लिए अधिकतम सौ किमी प्रति घंटा गति सीमा निर्धारित है, लेकिन सर्दियों में कोहरे के कारण यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे की आशंका काफी अधिक हो जाती है। दृश्यता कम होने के कारण तेज रफ्तार वाहन टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। हादसों की रोकथाम के लिए यमुना प्राधिकरण ने एक्सप्रेस वे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा को सौ किमी प्रति घंटा से घटाकर 75 किमी प्रति घंटा कर दिया है। भारी वाहनों के लिए इसे 80 किमी प्रति घंटा से घटाकर 60 किमी प्रति घंटा कर दिया है।

नियमों की उड़ रही धज्जियां

नए नियम बुधवार अर्द्धरात्रि से यह लागू हो चुकी है। इसके बावजूद पहले ही दिन शाम चार बजे तक 1054 वाहन चालकों ने अधिकतम गति सीमा को धता बताते हुए तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाये। शाम साढ़े छह बजे तक यह आंकड़ा बढ़कर तीन हजार तक पहुंच गया। एक्सप्रेस वे पर लगी स्पीड गन और कैमरों की मदद से इन वाहनों को चिह्नित कर लिया गया है। यातायात विभाग ने इन वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की है। एसीईओ मोनिका रानी ने बताया कि बृहस्पतिवार को शाम चार बजे तक 1054 वाहनों ने अधिकतम गति सीमा का उल्लंघन किया।

प्लॉट यमुना प्राधिकरण निकालेगा लॉटरी

नोएडा में किस्मत वालों को मिलेगा घर का प्लॉट

नोएडा, संवाददाता।

यमुना प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना की लॉटरी शुक्रवार को निकाली जाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी हो चुकी है।

आवेदकों के नाम की पर्ची बृहस्पतिवार को बक्से में बंद कर उसे सील कर दिया गया। इससे पहले पर्ची निकालकर यह सुनिश्चित किया गया कि सभी आवेदकों के नाम की पर्ची बक्से में हैं या नहीं, इसके लिए तीन पर्ची को निकालकर उन्हें आवेदकों के नाम की सूची से मिलाया गया।

स्कूल के छात्र पर्ची निकालकर शुक्रवार को आवेदकों की किस्मत का फैसला करेंगे। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी थ्री स्थित सामुदायिक केंद्र में लाटरी प्रक्रिया शुरू दस बजे से शुरू होगी।

आरक्षितों के लिए निकाली जाएगी पर्ची

आवासीय योजना में कुल 477 भूखंड हैं। यह भूखंड साठ वर्गमीटर, 90 वर्गमीटर, 120 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर, 300 वर्गमीटर, 500 वर्गमीटर, एक हजार वर्गमीटर व दो हजार वर्गमीटर के हैं। सबसे पहले दिव्यांग, कृषक व अन्य आरक्षित वर्ग के आवेदकों की पर्ची निकाली जाएंगी।

इसके बाद साठ वर्गमीटर श्रेणी से सामान्य वर्ग की भूखंडों की लॉटरी शुरू होगी। भूखंड के बढ़ते आकार के आधार यानी आरोही क्रम में लॉटरी की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।

लॉटरी की होगी वीडियो और फोटोग्राफी

प्राधिकरण एसीईओ मोनिका रानी ने बताया कि लॉटरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी व फोटो ग्राफी कराई जाएगी। भूखंड श्रेणी की लाटरी के आधार पर आवेदकों को स्थल पर प्रवेश दिया जाएगा। लाटरी प्रक्रिया का फेसबुक व यूट्यूब पर सजीव प्रसारण भी होगा। पर्यवेक्षकों की देखरेख में लाटरी प्रक्रिया होगी।

बचा लो बाबूजी...मुठभेड़ में घायल दुष्कर्म का आरोपित गिड़गिड़ाया

घर पहुंचने के बाद नाबालिग ने पिता और मां को अपने साथ हुई आपबीती बताई थी। इसी दौरान आरोपित घर से फरार हो गया था।

ोएडा, संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों कानपुर में एक सभा के दौरान बदमाशों को चेताते हुए कहा था कि बहन-बेटियों से छेड़खानी कि तो पुलिस अगले चौराहे पर पहुंचने से पहले ही ढेर कर देगी। मुख्यमंत्री की इन्हीं बातों को नोएडा पुलिस लगातार सच साबित करने में लगी है।

फेज-2 कोतवाली पुलिस ने भी चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपित को बृहस्पतिवार सुबह मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। सेक्टर-83 स्थित मेट्रो स्टेशन के पास हुई मुठभेड़ में गोली लगने से कारण घायल आरोपित को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरोपित की पहचान सहरसा, बिहार के प्रमोद दास के रूप में हुई है। कब्जे से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

दुष्कर्म कर हो गया था फरार

एडिशनल डीसीपी साद मियां खां का कहना है कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले ने एक मुकदमा दर्ज कराया था कि उनकी चार वर्षीय पुत्री के साथ कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले प्रमोद दास ने दुष्कर्म किया है और अभी फरार है। कोतवाली पुलिस ने पाक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की।

बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे आरोपित सेक्टर-83 स्थित मेट्रो स्टेशन के पास दिखा। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो आरोपित पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। जिसमें एक गोली बदमाश के पैर में लगी है। गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया।

एसीपी नोएडा अमित प्रताप ने बताया कि ने आरोपित उसी जगह किराये के मकान पर रहता था। जहां बच्ची भी अपने माता-पिता के साथ अलग किराये के मकान में रहती थी। बुधवार सुबह जब नाबालिग की मां और पिता घर से बाहर थे तो आरोपित ने वारदात को अंजाम दिया। घर पहुंचने के बाद नाबालिग ने पिता और मां को अपने साथ हुई आपबीती बताई थी। इसी दौरान आरोपित घर से फरार थाना फेस-2 पुलिस व 04 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी वांछित अभियुक्त के बीच हुई मुठभेड़ में अभियुक्त प्रमोद दास गोली लगने से घायल व गिरफ्तार, कब्जे से अवैध शस्त्र बरामद।

नोएडा में पंचसील सोसाइटी की लिफ्ट तीन बार अटकी, बच्चे और बुजुर्ग महिला फंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की पंचशील सोसाइटी के दो अलग-अलग टावरों में अलग-अलग समय पर तीन बार लोग लिफ्ट में फंसे रहे। इनमें टावर-दो में दादी-पोते करीब 20 मिनट तो इसी लिफ्ट में महिला घरेलू सहायिका के साथ फंसी रही। इसी सोसाइटी के टावर-आठ में एक महिला और तीन बच्चे करीब 15 मिनट तक लिफ्ट में फंस रहे। लिफ्ट में फंसे रहने के दौरान न तो अलार्म और न ही इंटरकॉम ने काम किया।

सूचना पर फैसिलिटी मैनेजर ने लोगों को निकाला। पंचशील हाइनिश सोसाइटी निवासी भुवनेश गौतम ने बताया कि मंगलवार की सुबह उनकी बुजुर्ग मां सर्वेश गौतम (60), उनके बेटे सूर्यांश (5) 12वीं मंजिल से स्कूल छोड़ने जा रही थी। बालकनी से उनकी पत्नी ने देखा तो दादी-पोते काफी देर तक नीचे नहीं पहुंचे थे।

जेएसएस में रैगिंग, सर नहीं बोला तो सीनियर छात्रों ने पीटकर कंधा तोड़ा

आरोपियों ने छात्रावास के कॉरिडोर में वार्डन और कालेज के अधिकारी के सामने उसकी पिटाई की। बेहोश होने तक उसकी पिटाई जारी रही।

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित जेएसएस कॉलेज में सर नहीं बोलने से नाराज चार सीनियर छात्रों ने कमरा बंद कर बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र की पिटाई कर दी। हमले में पीड़ित का कंधा फ्रैक्चर हो गया। पीड़ित छात्र और परिजनों ने रैगिंग की शिकायत की है।

हालांकि कोतवाली सेक्टर-58 पुलिस ने चारों छात्रों के खिलाफ अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं जेएसस प्रबंधन ने चारों छात्रों को कॉलेज से निलंबित कर हॉस्टल से निष्कासित कर दिया है। मामले में जांच समिति गठित कर दी गई है। घटना से सहमा पीड़ित छात्र दोबारा कॉलेज जाने से इनकार कर रहा है।

पुलिस को दी शिकायत में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र ने कहा है कि 7 दिसंबर की रात को वह छात्रावास में पढ़ाई कर रहा था। तभी उनके रूममेट के पास सीनियर छात्रों का फोन आया। सीनियर ने दोनों को कमरा नंबर-101 में बुलाया। आरोप है कि वहां चार सीनियर छात्र शराब के नशे में थे। मौके पर पीड़ित छात्र ने असाइनमेंट करने से इन्कार कर दिया।

जूनियर छात्र ने सॉरी भैया कहा तो आरोपियों ने भैया की जगह सर बोलने को कहा। पीड़ित अपने कमरे में लौट आया। उसने सुरक्षा गार्ड से हास्टल के कमरा नंबर 101 में गड़बड़ी की शिकायत की। इससे नाराज सीनियर छात्रों ने रात करीब ढाई बजे पीड़ित छात्र को अपने हॉस्टल के कमरे में बुलाया। पीड़ित के मना करने के कुछ देर बाद सीनियर उसके कमरे में आ गए। चारों आरोपियों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। आरोपियों ने छात्रावास के कॉरिडोर में वार्डन और कालेज के अधिकारी के सामने उसकी पिटाई की। बेहोश होने तक उसकी पिटाई जारी रही। सुरक्षा गार्ड ने किसी तरह बचाव कर छात्रों को कमरे में भेजा। अगले दिन घायल छात्र ने इसकी शिकायत परिजनों से की। परिजन बेटे को इलाज के लिए फोर्टिस अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां एक्स-रे जांच में पता चला कि कंधे की हड्डी में फ्रैक्चर है। नोएडा जोन के एडीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि इस मामले में चार छात्रों के खिलाफ मारपीट से लेकर हत्या के प्रयास के धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई) के तृतीय वर्ष के छात्र अविजीत पाठक, अली हसन, बीटेक इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) के तृतीय वर्ष के छात्र वैभव राज श्रीवास्तव और समर्थ कुमार के खिलाफ आइपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रसास), 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 325 (गंभीर चोट पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) करने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

तीसरी बार गिरा प्लास्टर, एक मिनट की देरी होती तो घट सकती थी बड़ी घटना

पहले भी दो बार इसी जगह से प्लास्टर गिर चुका है। बिल्डर ने उसकी मरम्मत करा दी थी, लेकिन अब तीसरी बार प्लास्टर गिरा है।

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

ग्रेनो वेस्ट की ला रेजीडेंसिया सोसाइटी के टावर-16 में गुरुवार रात एक फ्लैट की छत का प्लास्टर गिर गया। परिवार इसकी चपेट में आने से बच गया। आरोप है कि शिकायत के बाद भी मेंटेनेंस टीम ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित महिला ने प्राधिकरण से शिकायत की है। पहले भी दो बार इसी जगह से प्लास्टर गिर चुका है।

नौवें फ्लोर पर रहने वाली कृति अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार रात वह ऑफिस से घर पर पहुंची थीं। बेटियां लिविंग एरिया में टीवी देख रही थीं। वह बेटियों को खाना खिलाने बेडरूम में ले गईं। इसके एक मिनट बाद ही प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा टूटकर फर्श पर आ गिरा। उन्होंने इसकी सूचना मेंटेनेंस टीम को दी।

आरोप है कि टीम ने आने से इनकार कर दिया। हंगामा करने के बाद मेंटेनेंस टीम पहुंची, लेकिन किसी तरह की मदद करने से मना कर दिया, साथ ही सफाई सुबह तक कराने की बात कही।

कृति का कहना है कि पहले भी दो बार इसी जगह से प्लास्टर गिर चुका है। बिल्डर ने उसकी मरम्मत करा दी थी, लेकिन अब तीसरी बार प्लास्टर गिरा है।

निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने प्राधिकरण से शिकायत की है। उधर, निवासियों में भी बिल्डर के खिलाफ रोष है।

ना नहीं हुई बर्दाश्त

शादी के बाद भी महिला को बुलाया, मना किया तो भेजी पति को अश्लील फोटो

ग्रेटर नोएडा । विदेश में दाखिला दिलाने का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोप है कि आरोपी अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैक मेल कर रहा था। आरोपी ने पति व परिवार के पास अश्लील फोटो भेजकर शादी तुड़वाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नॉलेज पार्क पुलिस ने बताया कि एक साल पहले ग्रेनो के एक कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रही युवती के सहपाठी ने यूके में दाखिला दिलाने के नाम पर उससे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए थे। इसके लिए दोस्त ने अपने फ्लैट पर बुलाया था। आरोप है कि दोस्त ने पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर दिया और दुष्कर्म किया।

इस दौरान आरोपी ने अश्लील फोटो-वीडियो बनाई। उस समय बदनामी के डर से पीड़िता ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। शादी के बाद युवक ने जब पीड़िता को बुलाया तो उसने आने से मना कर दिया।

आरोप है कि आरोपी ने अश्लील फोटो पीड़ित महिला के पति को भेज दिए। शिकायत के बाद नॉलेज पार्क कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोसाइटी के फ्लैट में लगी आग, मौके पर दमकल की गाड़ियां

नोएडा। सेक्टर-79 स्थित विंडसर कोर्ट सोसाइटी के एक फ्लैट में बृहस्पतिवार शाम को आ लग गई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। मौके पर पहुंचकर अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम करीब पांच बजे सेक्टर-79 स्थित विंडसर कोर्ट सोसाइटी की 23वीं मंजिल स्थित एक फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर दो दमकल गाडिय़ां पहुंची और आग को बुझा लिया। आग सुभाष चंद्र नामक शख्स के फ्लैट में लगी थी।

ड्यूटी जा रही महिला पुलिसकर्मी से लूट, एसएचओ सस्पेंड

नोएडा। रबूपुरा में ड्यूटी जाते वक्त महिला पुलिसकर्मी के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। बदमाश ने उसे अकेला पाकर हमला किया और गला दबाकर झाड़ियों में खींच ले गया। वहां से गुजर रहे ट्रैक्टर पर सवार लोगों ने उसकी जान बचाई। बदमाश महिला पुलिसकर्मी का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इस बात की जानकारी पुलिस को दी गई, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कमिश्नर को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने एसएचओ को सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही दोषियों को जल्द पकड़ने के आदेश जारी किए हैं।

नोएडा व्यूज

यदि आपको नोएडा व्यूज की प्रतियां नियमित मिलने में परेशानी हो रही है तो कृपया हमें ई-मेल करें या फिर दिए गए नंबर पर ह्वाट्सएप करें। हम शीघ्र ही समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें-

+91 9810402764, noidaviews2014@gmail.com

पिता बोला- 'साहब! बेटी का अपहरण हो गया है', कोतवाल ने कहा- जेब में रखी है, जो लाकर दे दूं

नोएडा, संवाददाता।

जेवर कोतवाली क्षेत्र के गांव जेवर खादर उर्फ मढैया की रहने वाली कक्षा 12वीं की नाबालिग छात्रा का पांच दिन बाद भी सुराग नहीं मिलने से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को कोतवाली पहुंच कर घेराव किया। जेवर कोतवाल मनोज कुमार सिंह को यह नागवार गुजरा। कोतवाल के बिगड़े बोल के दो वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे है।

कोतवाल ने फरियादी से कहा कि लड़की गायब है तो मेरी जेब में थोड़ी है, जो लाकर दे दूं। बात यही नहीं रूकी। कोतवाल मनोज ने फरियादी व उसके परिचित को कोतवाली से भगा दिया। वह कहते हुए सुने गए हट, चल, भाग यहां से। फरियादी कहता रह गया कि उसके समाज की लड़की गायब है तो कोतवाल ने कहा समाज के ठेकेदार हो, भाग यहां से।

12वीं की छात्रा है गायब

दरअसल, पीड़ित राकेश ने बताया कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी जेवर स्थित कन्या इंटर कालेज में कक्षा बारहवीं की छात्रा है। उन्होंने बताया कि कानीगढ़ी का एक युवक उसे स्कूल आते जाते हुए परेशान करता था। उसकी वजह से दो सप्ताह पूर्व पीड़ित ने अपनी बेटी को स्कूल जाने से रोक दिया।

युवक पर बहला-फुसलाकर अगवा करने का आरोप

आरोप है कि पांच दिन पूर्व 13 दिसंबर को आरोपित विकास कानीगढी गांव पहुंचा तथा अपने साथी के साथ मिलकर पूजा को बहला फुसलाकर उसे अगवा कर ले गया। स्वजन ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। पीडित पिता की शिकायत पर पुलिस ने 13 दिसंबर को मामला दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू की थी।

पांच दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने से परेशान स्वजन ने ग्रामीणों के साथ शनिवार को कोतवाली का घेराव कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित को ही कोतवाली से डांट कर भगा दिया। डीसीपी (ग्रेटर नोएडा) अभिषेक वर्मा ने बताया कि गायब छात्रा को सकुशल बरामद करने की कोशिश की जा रही है। जल्द ही छात्रा को बरामद किया जाएगा।

अंडरपास निर्माण से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर जाम, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवायजरी

नोएडा, संवाददाता। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-96 अंडरपास और सेक्टर-142 के पास जाम कम करने को ट्रैफिक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। डीसीपी ट्रैफिक गणेश प्रसाद साहा का कहना है कि सेक्टर-96 व सेक्टर-142 एडवंट बिल्डिंग के पास अंडरपास निर्माण से मार्ग संकरा, क्षतिग्रस्त होने से यातायात का संचालन धीमी गति से होता है।

इसलिए नोएडा से ग्रेटर नोएडा जाने वाले चालक वैकल्पिक मार्ग, महामाया फ्लाईओवर के पास सेक्टर-44 गोलचक्कर से सर्विस रोड का प्रयोग कर गंतव्य को जा सकते हैं। चिल्ला बार्डर पर दिल्ली सीमा में चिल्ला गांव फ्लाईओवर के पास रेपिड रेल पिलर का कार्य निर्माणाधीन होने के कारण मार्ग संकरा होने से यातायात का संचालन धीमी गति से हो रहा है।

ये वैकल्पिक मार्ग प्रयोग करें

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। चिल्ला बार्डर के रास्ते अक्षरधाम जाने वाल चालक कालिंदी कुंज, डीएनडी, सेक्टर-15 गोलचक्कर, अशोकनगर आदि वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर गंतव्य को जा सकते हैं। सेक्टर-121 स्थित पर्थला चौक सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण होने के कारण बैरिकेड लगाई गई है। मार्ग संकरा होने के कारण यातायात का दबाव बढ़ गया है। वाहन चालक एफएनजी आदि वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर गंतव्य को जा सकते है।

निर्धारित समय पर होगा निर्माण कार्य

नोएडा विकास प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी, कार्यदायी संस्था द्वारा मरम्मत एवं विकास कार्य करते समय लोगों को यातायात संबंधित असुविधा न हो। इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। संस्था द्वारा सुबह 11 से शाम चार बजे तक और रात के समय 11 से सुबह छह बजे तक काम किया जाएगा।

कार्य स्थल पर सुचारू यातायात के लिए संस्था द्वारा यातायात मार्शल नियुक्त कर कार्य किया जाएगा। इस प्रकार से बैरिकेडिंग की जाएगी। जिससे कार्य स्थल के पास बाटलनेक की स्थिति उत्पन्न न हो।

जारी किए हेल्पलाइन नंबर

इसके लिए पूर्व से 300-500 मीटर पहले चेतावनी संबंधित सड़क संकेतक बोर्ड एवं बैरिकेडिंग लगाकर कार्य व यातायात का संचालन करेंगे। जिससे कोई जाम व दुर्घटना न हो। कार्य स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा के मद्देनजर प्रकाश की व्यवस्था करनी होगी। चालक हेल्पलाइन नंबर-9971009001 व व्हाट्सएप नंबर-7065100100 पर संपर्क कर सकते हैं।

कुत्ते के आतंक से सोसायटी में आक्रोश, 3 को बनाया शिकार

नोएडा। सेक्टर-71 स्थित साईं अपार्टमेंट में आवारा कुत्ते ने दस दिन में तीन लोगों को काट लिया है। मामले में सोसायटी के लोग प्राधिकरण से लगातार शिकायत कर रहे हैं। बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मंगलवार को आवारा कुत्ते ने सोसायटी में साइकिलिंग कर रहे पांच वर्षीय बच्चे जयादित्य को दौड़ाकर जांघ पर काट लिया है। बच्चे के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे बचाया है।

घटना से सोसायटी के लोगों में रोष

घटना के बाद बुरी तरह से दर्द से कराह रहे बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने घर भेज दिया है। इसको लेकर सोसायटी के लोगों में रोष है। तीन दिनों पहले सोसायटी में कुत्ते ने निधि पाल नाम की युवती को भी पैर में काट लिया है। घर आ रही निधि पर कुत्ते ने हमला कर पैर में दांत गड़ा दिए थे। वहीं राजू नाम के युवक को भी कुत्ता घायल कर चुका है। सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुशील यादव ने बताया कि कुत्ता लगातार लोगों को काट रहा था। इसपर लगातार हुई शिकायत के बाद प्राधिकरण की तरफ से नामित संस्था कुत्ते का व्यवहार बदलने के लिए शेल्टर होम ले गई थी।

नामित संस्था से की गई शिकायत

सोसायटी में वापस आने के तीन महीने बाद कुत्ता लोगों को काटने लगा है। आवारा कुत्ते को सोसायटी के एक घर के बाहर आवाजाही करने वाली जगह पर खाना भी दिया जाता है। मामले में प्राधिकरण की तरफ से नामित संस्था से भी शिकायत की गई है। हालांकि कुत्ते को पकड़ने के लिए वाहन नहीं भेजा गया है।

झांसा उत्तराखंड की युवती के साथ शादी करने जा रहा था, पिता ने खोल दी पोल

हसीन सैफी ने आशीष बनकर पाल लिए हसीन सपने, खुल गया राज

आरोपी अच्छी नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसका यौन शोषण करता था।

नोएडा। के दादरी से शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां आशीष बनकर हसीन सैफी नाम के शख्स ने उत्तराखंड की युवती का शारीरिक शोषण किया। पुलिस ने दुष्कर्म करने वाले आरोपी हसीन को सोमवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

जांच में पता चला है कि पीड़िता की नौकरी छूटने के बाद सैफी ने उसे हसीन सपने दिखाए थे। ऐसे में नौकरी की तलाश में भटक रही युवती आरोपी की बातों में आ गई, लेकिन असलियत पता चलने पर उसने हसीन सैफी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। पुलिस ने सोमवार को न्यायालय में युवती के बयान भी दर्ज कराए।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

नौकरी के लिए कुछ साल पहले उत्तराखंड निवासी युवती गौतमबुद्ध नगर आई थी। वह सूरजपुर में रहकर कंपनी में नौकरी कर रही थी। इसी दौरान कंपनी में काम करने वाले आमका रोड दादरी निवासी हसीन सैफी से उसकी पहचान हो गई। आरोपी ने अपना नाम आशीष ठाकुर बताकर उससे दोस्ती की।

आरोपी ने आशीष ठाकुर के नाम एक फर्जी पहचानपत्र भी बना रखा था। करीब दो माह पहले युवती बीमार हो गई। ड्यूटी पर नहीं जाने से उसकी नौकरी छूट गई। इसके बाद ही सैफी ने युवती से निकटता बढ़ा दी और शादी का झांसा देने लगा।

आरोपी ने पीड़िता को दादरी की कॉलोनी में किराए पर कमरा दिलाया और उसके साथ रहने लगा। आरोपी पीड़िता की जिम्मेदारी उठाने का दावा करता था। आरोपी अच्छी नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसका यौन शोषण करता था। शुक्रवार को हसीन को ढूंढते हुए उसके पिता पहुंचे और पड़ोसियों से पूछताछ की।

तब पड़ोसियों को पता चला कि आरोपी का असली नाम हसीन सैफी है। रविवार को जानकारी होने पर आरोपी से पूछताछ की तो दोनों में विवाद हो गया। इस लोगों ने पुलिस

स्किन के लिए रामबाण है चायपत्ती, मिलती है राहत

अक्सर लोग दिन की शुरुआत चाय की चुस्कियों के साथ करते हैं, इससे शरीर में स्फूर्ति आती है। लेकिन, क्या आप जानती हैं, चायपत्ती से ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। जी हां, आप त्वचा को निखारने के लिए चायपत्ती का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को रिमूव करते हैं। आइए जानते हैं, ग्लोइंग स्किन के लिए आप चायपत्ती का कैसे इस्तेमाल करें।

- पिंपल की समस्या से राहत पाने के लिए आप चायपत्ती का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप एक चम्मच चावल के आटे में टमाटर का रस और एक चम्मच चायपत्ती मिलाएं। इन सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

- चेहरे पर निखार लाने के लिए आप चायपत्ती से बनी स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए चायपत्ती को उबाल लें। अब इसका पानी अलग कर लें। इस चायपत्ती में चावल का आटा, शहद, नींबू का रस और गुलाब जल मिलाएं, अब अच्छी तरह मिक्स कर पेस्ट बना लें। इस मिश्रण से चेहरे पर स्क्रब करें, 10 मिनट बाद पानी से धो लें।- आप चायपत्ती से कोहनी और घुटनों का कलापन दूर कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले चायपत्ती को धूप में सूखा लें, अब इसे पीस लें। इसमें बेकिंग सोडा मिलाएं, पानी की मदद से पेस्ट तैयार कर लें। इस मिश्रण से कोहनी और घुटनों की स्क्रब करें, 15 मिनट बाद पानी से धो लें। - चायपत्ती का इस्तेमाल कर फटी एड़ियों से राहत पा सकती हैं। इसके लिए एक बाउल में दो चम्मच चायपत्ती लें, इसमें एक चम्मच ओट्स और नारियल तेल मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें, अब इससे फटी एड़ियों पर स्क्रब करें। कुछ देर बाद पानी से धो लें।

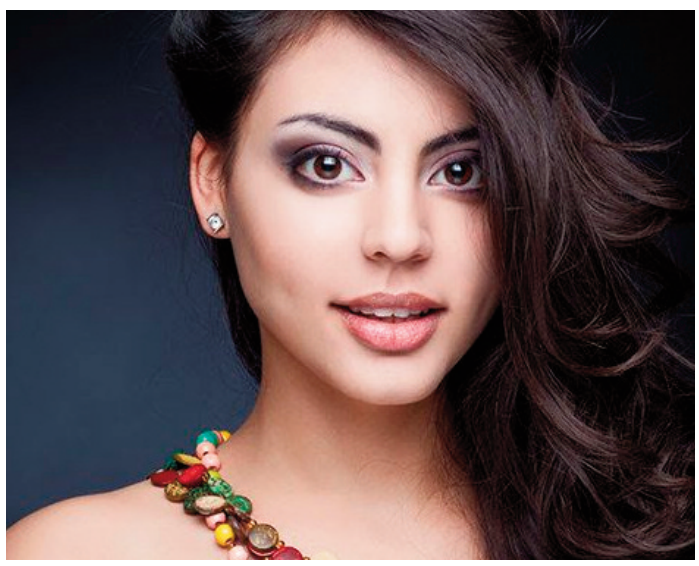

इन कारणों से सर्दियों में ज्यादा आती है नींद

सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण घटता तापमान और खराब लाइफस्टाइल भी है। साथ ही कुछ अन्य कारणों को कंट्रोल करके आप सुबह जल्दी उठ सकते हैं।

सर्दियों में आमतौर पर लोग ज्यादा आलसी हो जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी लोगों को सुबह उठने में होती है। जबकि सर्दियों के दिन छोटे और रात बड़े होते हैं पर फिर भी लोगों की नींद पूरी नहीं होती। इस आलस और नींद के पीछे जहां हमारी खराब होती लाइफस्टाइल का हाथ है, वहीं कुछ साइंस और बायोलॉजिकल रीजन भी हैं। जी हां, सर्दियों में ज्यादा नींद आने का एक बड़ा कारण दिन और लाइट की प्राकृतिक स्थिति भी है।

इसी नेचुरल सेटअप से हमारी मानसिक और शारीरिक गतिविधियां भी जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण हम ना चाह कर भी सर्दियों में बाकी मौसम की तुलना में ज्यादा सोते हैं। तो, आइए आज समझते हैं कि सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण

सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण

सर्दियों में बढ़ जाता है मेलाटोनिन का स्तर

नींद को नियंत्रित करने में प्रकाश और अंधेरे की भी एक जरूरी भूमिका होती है। प्रकाश के संपर्क में आने से मस्तिष्क का वो क्षेत्र उत्तेजित होता है जो, मेलाटोनिन,शरीर के तापमान और हार्मोन को नियंत्रित करता है। ये तीनों ही शरीर में नींद की गतिविधि को प्रभावित करते हैं।

मेलाटोनिन की बात करें, तो ये नींद बढ़ाती है और सूर्य के अस्त होने के साथ इसका स्तर भी बढ़ता चला जाता है। इस तरह से जब सर्दियों में सूरज कम ही देर तक रहता है और इसकी रौशनी भी उतनी स्ट्रोंग नहीं होती, तो मेलाटोनिन बढ़ता है और नींद आ ती रहती है।

तापमान में गिरावट

हमारे शरीर को वास्तव में सो जाने के लिए ठंडा करने की जरूरत होती है। जब गर्मियों में तापमान बढ़ जाता है, तो लोगों को सही से नींद नहीं आती है। इस दौरान लोग घुटन और गर्मी से जूझते रहते हैं। इससे उल्ट ठंडा वातावरण नींद को बढ़ाता है और सोने में मदद करता है। तो इसलिए जब सर्दी बढ़ती है, तो हमें ज्यादा अच्छी नींद आती है।

हार्मोनल असंतुलन के कारण

सर्दियों में आस-पास का कम रोशनी वाला डिम माहौल हार्मोनल संतुलन को प्रभावित करता है। साथ ही लोग अपने घरों को बंद रखते हैं और आर्टिफिशयल इलेक्ट्रॉनिक लाइट्स का इस्तेमाल करते हैं, जो कि नेचुरल हार्मोनल संतुलन को बाधित करता है और नींद बढ़ाने वाले हार्मोन को ट्रिगर करता है। साथ ही ब्लू लाइट के कारण हमारी आंखें तो थक जाती हैं पर नींद सही से नहीं आ पाती। ये सब हमें सही से सोने नहीं देता और हम हर समय आलसी महसूस करते हैं।

सर्दियों का खान-पान

सर्दियों में हमारा खान-पान गर्मियों की तुलना में गर्म और ज्यादा एनर्जी भरा होता है। फिर जब टेंप्रेचर घटने के साथ शरीर को गर्म रखने के लिए हमें और ज्यादा गर्मी की जरूरत होती है, तो हम गर्मियों की तुलना और ज्यादा खाना खाते हैं। ये चीजें जैसे ही बॉडी में तापमान को संतुलित करती है, बॉडी आराम में आ जाती है और व्यक्ति को नींद आने लगती है।

गलत लाइफस्टाइल

सर्दियों में ज्यादातर लोग शारीरिक गतिविधियों को करने से बचते हैं। जितनी ज्यादा सर्दी बढ़ती है, उतना शरीर स्थिर होता जाता है। इसके कारण लोगों में ज्यादा फैट और कार्ब्स का संचय होता है, जो कि नींद बढ़ाने का काम करते हैं। साथ ही सुबह देर से उठना और रात में देर तक जगना नींद के संतुलन को और बिगाड़ देता है, जिसके कि हम खुद को दिन भर आलसी महसूस करते हैं।

सुबह जल्दी उठने का उपाय

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, कम से कम 10 मिनट एरोबिक एक्सरसाइज करना जैसे कि वॉकिंग और साइकिल चलाना आपको एक्टिव रखने में मदद कर सकता है।

इसके अलावा सर्दियों की सुबह जल्दी उठने के लिए आप कई और चीजों की मदद ले सकते हैं। जैसे कि

- रात को सोने से पहले और सुबह उठते ही पानी पिएं, जिससे कि शरीर को जगाने में आसानी होती है। खुद को एक्टिव रखने के लिए एक्सरसाइज करें, जो कि बॉडी क्लॉक को सेट करने में मदद करेगा। बिस्तर से उठने के कुछ देर बाद ही नहा लें। ऐसा इसलिए कि पानी बॉडी के तापमान में बदलाव करेगा और आपको एक्टिव महसूस करवाएगा।

हेल्दी और हल्का भोजन लेने की कोशिश करें, जो कि आलस पैदा न करे। अलॉर्म सेट करके जगने की जगह बॉडी क्लॉक को सेट करने की कोशिश करें। इसके लिए 10 दिन लगातार एक ही वक्त पर सोएं और जागें, ये आपके बॉडी क्लॉक को सेट कर देगा।

तो, अगर आपको सर्दियों में ज्यादा नींद आती है, तो

सर्दियों में अधिक खाई जाने वाली मूंगफली के लाजवाब फायदे हैं

सर्दी के दिनों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। इस मौसम में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जनता से रिश्ता वेबडेस्क। सर्दी के दिनों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। इस मौसम में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में लोग पानी भी कम पीते हैं। इससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। जबकि इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। इन दिनों सर्दी, खांसी और बलगम से संबधित मामले अधिक देखे जाते हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो सर्दी के दिनों में सेहत का विशेष ख्याल रखना पड़ता है। अगर कोई कोताही बरतते हैं, तो सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके लिए सर्दी के दिनों में लोग मूंगफली का सेवन करते हैं। आयुर्वेद में मूंगफली को दवा माना जाता है। इसमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे जिंक, आयरन, मैगनेश्यिम पाए जाते हैं। इसके सेवन से कई बीमारियों में आराम मिलता है।

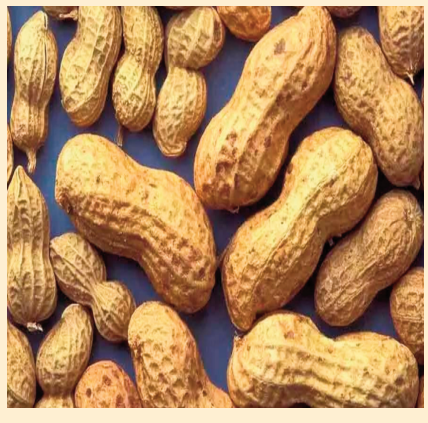

खा स क र डायबिटीज और बढ़ते वजन के लिए दवा समान है। साथ ही इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है सर्दी के दिनों में मूंगफली के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। साथ ही शरीर में ऊष्मा का संचार होता है, जिससे ठंड कम लगती है। इसके लिए आप मूंगफली की चिक्की खा सकते हैं। हृदय आघात का खतरा कम हो जाता है जैसा कि हम सब जानते हैं कि सर्दी के दिनों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। इससे दिल और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टर्स सर्दियों में इन रोगों से बचने के लिए मूंगफली खाने की सलाह देते हैं। मूंगफली के सेवन से सर्दियों में होने वाली बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है।

मूंगफली के सेवन से मेटाबॉलिज़्म बूस्ट होता है। मूंगफली में बीटा कैरोटीन पाया जाता है, जिससे संपूर्ण शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से होता है। साथ ही त्वचा में नमी बनी रहती है। हड्डियां मजबूत होती हैं सर्दी के दिनों में धूप की कमी से शरीर में विटामिन-डी की कमी हो जाती है। इसके लिए मूंगफली दवा समान है।

मूंगफली में कैल्शियम और विटामिन-डी पर्याप्त मात्रा में होती है। मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं। त्वचा में निखार आता है मूंगफली में ओमेगा 6 पाया जाता है जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। कई त्वचा विशेषज्ञ मूंगफली के पेस्ट को फेसपैक लगाने की सलाह देते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी हो जाती है। इसके लिए मूंगफली दवा समान है।

अस्पतालों को हर महीने 24 बिन्दुओं पर देनी होगी रिपोर्ट: सीएमओ ने बैठक कर दिए निर्देश

डॉ शर्मा ने बताया कि जिले में प्रसव से जुड़े 50 प्रमुख निजी अस्पताल हैं। इनमें से ज़च्चा बच्चा और बाल स्वास्थ्य से जुड़े सूचकांक पर 18 अस्पताल रिपोर्टिंग कर रहे हैं।

नोएडा। नोएडा में पीएसआई इंडिया के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों के साथ बैठक कर प्रमुख सूचकांक के बारे में जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 50 अस्पतालों निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रसव संबंधित जांच, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन (पोस्टमार्टम परिवार नियोजन, पोस्ट अबॉर्शन परिवार नियोजन) और नियमित टीकाकरण सहित 24 बिन्दुओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उक्त सभी बिन्दुओं की रिपोर्टिंग अब हर महीने निजी अस्पतालों को भी करनी होगी।

डॉ शर्मा ने बताया कि जिले में प्रसव से जुड़े 50 प्रमुख निजी अस्पताल हैं। इनमें से ज़च्चा बच्चा और बाल स्वास्थ्य से जुड़े सूचकांक पर 18 अस्पताल रिपोर्टिंग कर रहे हैं। मीटिंग के दौरान जिला अपर शोध अधिकारी केके भास्कर ने कहा हौसला साझेदारी कार्यक्रम व आयुष्मान भारत योजना से जुड़े अस्पतालों को विभाग की तरफ से एक फार्मेट दिया गया है जिस पर हर माह रिपोर्ट देनी है।

महिलाओं को दी जाने वाली प्रसवकालीन सेवाओं, सी सेक्शन प्रसव, नार्मल प्रसव, शिशु जन्म, शिशु मृत्यु, पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी और बच्चों को लगाये जाने वाले टीके समेत कुल 24 बिन्दुओं के बारे में जानकारी दी जानी है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.ललित कुमार ने कहा सरकारी अस्पतालों की तरह निजी अस्पतालों से पूर्ण रिपोर्टिंग करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पर एंटी नेटल केयर सर्विसेज, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन और बच्चों के नियमित टीकाकरण की रिपोर्टिंग अनिवार्य की गई है। शिशु व मातृ मृत्यु दर रोकने में इन रिपोर्ट्स व आंकड़ों का खास योगदान है। उन्होंने कहा कि जब तक निजी क्षेत्र से भी संपूर्ण रिपोर्ट नहीं मिलेगी तब तक जच्चा बच्चा और बाल स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का संपूर्ण लाभ समुदाय तक नहीं पहुंच सकता।

एनटीपीसी दादरी का बिजली सचिव ने किया दौरा

गौतम बुद्ध नगर । ग्रेटर नोएडा में विद्युत मंत्रालय के सचिव आलोक कुमार ने शनिवार को एनटीपीसी दादरी का दौरा किया। एनटीपीसी दादरी में आलोक कुमार का रमेश बाबू वी, निदेशक (प्रचालन) ने स्वागत किया। इस दौरानल सीजीएम गंपा ब्रह्मा जी राव उपस्थित रहे।

आलोक कुमार ने स्टेज-2 बॉटम एश, फलाई एश, एफजीडी, डीएसआई साईलो एरिया का दौरा किया। रमेश बाबू वी ने सचिव को बिजली उत्पादन की विशेषताओं और प्रक्रिया एवं दादरी पावर स्टेशन की नई पहलों से अवगत कराया। आलोक कुमार ने बिजली उत्पादन में दादरी पावर प्लांट की गतिविधियों और विभिन्न पर्यावरण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। दादरी स्टेशन पर चल रही नई पहलों की सराहना की।

अपनी ही कंपनी में चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार साथियों के साथ लाखों की स्टील शीट की थी चोरी

सीसीटीवी फुटेज और जांच के बाद चोरी में 6 लोगों के नाम प्रकाश में आए। जिसके बाद पुलिस ने 5 चोरों को गिरफ्तार किया।

कंपनी से 9,447 सीट चोरी की गई है। चोरी का माल भी बरामद हो चुका है।

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की ईकोटेक वन थाना पुलिस ने चोरी के मामले में फरार चल रहे एक चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी ही कंपनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। वहां से स्टील शीट चोरी की थी।

आरोपी बॉबी मूल रूप से बुलंदशहर के औरंगाबाद का रहने वाला है। पुलिस ने इसको विनोद भाटी गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस इसके 5 साथियों को पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। इनके कब्जे से चोरी का माल भी बरामद हो चुका है।

डीएस डोंगकुक स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के जनरल मैनेजर ने 26 अगस्त को थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें बताया था कि उनकी कंपनी से 12 अगस्त से 22 अगस्त के बीच चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। इस दौरान कंपनी से 9,447 सीट चोरी की गई है। उन्होंने कंपनी में ठेके पर काम करने वाले मजदूरों पर चोरी का आरोप लगाया था।

सीसीटीवी फुटेज और जांच के बाद चोरी में 6 लोगों के नाम प्रकाश में आए। जिसके बाद पुलिस ने 5 चोरों को गिरफ्तार किया। मामले में बॉबी फरार चल रहा था।

थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। इसने अपने साथियों के साथ मिलकर कंपनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

एयरफोर्स जवान के बेटे से लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने एयरफोर्स में कार्यरत जवान के बेटे के साथ मारपीट कर लूट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी नाबालिग है। आरोपियों का तीसरा साथी अभी फरार है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

11 दिसंबर को सेक्टर-92 में रहने वाले आदर्श तंवर ने पुलिस को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि वह महामाया फ्लाई ओवर के पास से गुजर रहे थे। उसी समय दो युवक आए और उन्हें रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने सिर पर ईंट से हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसके बाद बदमाश उनका पर्स और मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। पीड़ति के पर्स में एयर फोर्स का कैंटीन का कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एटीएम सहित अन्य दस्तावेज थे। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आसिफ और उसके एक नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उनके साथ वारदात में प्रदीप नाम का युवक भी शामिल था। वह फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों से मोबाइल बरामद किया है। इन बदमाशों ने एनसीआर में लूटपाट की कई वारदातों को कबूल किया है। आरोपी महामाया फ्लाई ओवर से लेकर दलित प्रेरणा स्थल के बीच लूटपाट करते थे। पकड़ा गया आसिफ झुग्गी झोपडी सेक्टर 16 में रहता था।

आक्रोश | **नोएडा में बिलावल भुट्टो का फूंका पुतला**

आक्रोशित बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पाक के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

कहा–पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने जिस तरह पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर बयान दिया है, वो काफी निराशाजनक है।

नोएडा, संवाददाता।

नोएडा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान की विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने डीएम चौक पर बिलावल भुट्टो मुर्दाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा। इस मौके पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता नवाब सिंह नागर, कैप्टन विकास गुप्ता सहित महिला मंडल भी मौजूद रही।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने बिलावल भुट्टों का पुलता फूंका औश्र जमकर लाठियां चलाकर विरोध किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का अपमान बिल्कुल भी सहा नहीं जाएगा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने जिस तरह पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर बयान दिया है, वो काफी निराशाजनक है। इससे पाकिस्तान की ही छवि खराब हुई है।

इसके बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर सेक्टर-19 से डीएम चौक पहुंचे। यहां नारेबाजी करते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसके तहत उन्होंने बिलवल भुट्टो के बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इस मौके पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। हालांकि प्रदर्शन समाप्त होने के साथ ही यातायात सामान्य हो गया।

> उन्होंने बिलवल भुट्टो के बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इस मौके पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। हालांकि प्रदर्शन समाप्त होने के साथ ही यातायात सामान्य हो गया।